***"विद्यार्थिनी साहित्य सम्मेलन'* की परम्परा में एस.एन.डी.टी. विश्वविद्यालय के इस शतवार्षिकी (2015-16) के अवसर पर हर वर्ष से अलग यह सम्मेलन इस साल भाषांतर, नाट्य रूपांतर एवं माध्यमांतर पर आधारित होगा।**

प्रस्तुत त्रिदिवसीय कार्यक्रम अनुवाद पर केन्द्रित होगा, जिसमें हिन्दी, अंग्रेजी, मराठी, गुजराती और संस्कृत साहित्य के विभिन्न साहित्यिक विषयों और विमर्शों पर सम्वाद और परिचर्चा होगी. उपरोक्त पाँचो विषयों के अध्यापकों और छात्राओं के अतिरिक्त प्रसिद्ध साहित्यकार, नाट्यकर्मी और फिल्म-निर्माता-निर्देशकों की भागेदारी भी इस कार्यक्रम में रहेगी. कार्यक्रम के द्वारा छात्राओं को हिन्दी, अंग्रेजी, मराठी, गुजराती और संस्कृत के साहित्य से सम्वाद का मौका मिलेगा. प्रस्तुत त्रिदिवसीय कार्यक्रम में उपरोक्त पाँचों भाषाओं के श्रेष्ठ साहित्य को भाषांतर(6 फरवरी), नाट्य-रूपांतर(7 फरवरी) और माध्यामांतर(8 फरवरी) के माध्यम से प्रस्तुत किया जायेगा.

पहले दिन(6 फरवरी) की चर्चा का विषय है " भाषांतर: सृजन, तकनीक और महत्त्व". मुख्य अतिथि हैं श्रीमती उमा कुल्कर्णी और आमंत्रित वक्ता हैं प्रो. नलिनी मदगाँवकर, डॉ. दामोदर खड्से और डॉ.मंजूषा कुलकर्णी. इस दिन हिन्दी, अंग्रेजी, मराठी, गुजराती और संस्कृत के कवियों द्वारा अन्य भाषाओं में उनके द्वारा अनुदित कविताओं का पाठ होगा. उपरोक्त पाँचों भाषाओं की छात्राओं द्वारा भाषांतर विषय पर या स्वअनुदित रचनाओं पर शोध-पत्र भी इस कार्यक्रम में प्रस्तुत किये जायेंगे.

दूसरे दिन(7 फरवरी) की परिचर्चा का विषय है " नाट्य रूपांतर: आवश्यकता और नाट्य-कला". इस दिन के मुख्य अतिथि हैं श्री जावेद सिद्दीकी, आमंत्रित वक्ता हैं श्री कपिलदेव शुक्ल, सुश्री सुषमा देशपांडे और श्री नौशील मेहता. इस दिन का प्रमुख आकर्षण है विजय कुमार द्वारा हरिशंकर परसाई की कहानी "हम बिहार से चुनाव लड़ रहे हैं" के नाट्य- रूपांतरण की मंचीय प्रस्तुति.

तीसरे दिन(8 फरवरी) की परिचर्चा का विषय है "माध्यमांतर: तकनीक और सार्थकता". आमंत्रित वक्ता हैं श्री अशोक मिश्रा, श्री परेश नायक, और सुश्री सन्युक्ता वाघ. प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता और निर्माता-निर्देशक अमोल पालेकर अपनी फिल्म "अनाहत" को लेकर उपस्थित होंगे. कार्यक्रम का समापन "उत्सव " फिल्म के वाचन के साथ होगा.